News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

Cadaver Organ Donor

Lt. Pavan Mahavir Jain

Donated his: Kidney, Liver & Corneas

Date:- 28/05/2022

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

In death, 66-yr-old man gifts life to five

Donor Was WB Native

TIMES NEWS NETWORK

Surat: Five persons got a new lease of life on Saturday from the organs that had been donated by a 66-year-old brain dead person, **Pavan Jain**, a resident of Punagam and native of West Bengal.

The harvested organs were transplanted to beneficiaries from the city and also Bharuch after the grief-stricken kin agreed to donate his organs after doctors at the Kiran Hospital declared him brain dead during treatment. The organ harvesting and transplant surgeries were carried out at Kiran hospital

Gaurang Joshi

Kin pay their last respects

According to his family, Jain's blood pressure shot up suddenly and he was rushed to SMIMER hospital from where he was shifted to Kiran Hospital after preliminary treatment. "Doctors declared Jain brain dead after which officials of Donate Life were roped in to convince the family members who agreed to donate," said Nilesh Mandlewala, president of Donate Life, which works for organ donation awareness.

"Organ donation is like the religious work and we agreed for it as my father was about to die. Instead of his organs turning into ashes, we decided to donate and some other people live another day," said Dipak, son of the donor.

Kidneys were transplanted to a 22-year-old man and a 28-year-old woman. Liver was transplanted to a 53-year-old man, while two corneas were transplanted to a 68-year-old woman and a 54-year-old man, respectively.

ब्रेनडेड बुजुर्ग के अंगदान से पांच लोगों मिला नया जीवन

➤ किडनी, लीवर और आंखें दान कर फैलाई मानवता की महक

वीओटी संवाददाता
सूरत, 28 मई

सूरत में सेवानिवृत्त जीवन व्यतीत कर रहे एक 65 वर्षीय ब्रेनडेड बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया गया। इसलिए परिवार ने अंगों को दान करने का फैसला किया। किडनी, लीवर और आंखें दान कर नई जिंदगी दी गई। साथ ही मानवता की सुगंध फैलाकर समाज को एक नई दिशा दिखाने का प्रयास किया गया।

पश्चिम बंगाल के जिला-बर्धमान के धूमनी बाजार के रहने वाले और वर्तमान में सूरत विधातानगर सोसाइटी, भैयानगर, पुनागम में रहने वाले पवन महावीर जैन ने गुरुवार 26 मई को नाश्ता किया था। उच्च रक्तचाप और उल्टी के कारण वह होश खो बैठा। परिजनों ने उसे तुरंत स्मीमेर अस्पताल में भर्ती कराया और प्राथमिक उपचार के बाद उसे न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर के इलाज के तहत आगे के इलाज के लिए किरण अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार 27 मई को न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट डॉ. भौमिक ठाकोर, न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट डॉ. हीना फल्दू, इंटेंसिविस्ट डॉ दर्शन त्रिवेदी, मेडिकल डायरेक्टर डॉ मेहुल पांचाल ने पवनभाई को ब्रेनडेड घोषित किया। किरण अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पंचाल ने डोनेट लाइफ को फोन कर पवनभाई के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। डोनेट लाइफ की टीम अस्पताल पहुंची और डॉ. मेहुल पंचाल के साथ रुकी।

पवनभाई के बेटे दीपक ने कहा कि जब हम अक्सर अखबारों में अंगदान की खबरें पढ़ते हैं, तो हमें लगा कि यह एक दैवीय कार्य है। आज जब मेरे पिता का ब्रेन डेड हो गया है और उनकी मृत्यु निश्चित है, तो आप अंगदान के लिए जा सकते हैं यदि अंग खराब होने वाले रोगियों को उनके शरीर को जलाने के बजाय उनके अंगों को दान करके पुनर्जीवित किया जा रहा है। अंगदान के लिए परिवार की सहमति से किडनी और लीवर डोनेशन के लिए स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एसओटीटीओ) से संपर्क किया गया। एसओटीटीओ द्वारा किरण अस्पताल, सूरत को किडनी और लीवर दान किया गया।

सूरत के किरण अस्पताल के डॉ. कल्पेश गोहिल, डॉ. जिग्नेश घेवरिया, डॉ. प्रमोद पटेल, डॉ. मुकेश अहीर और उनकी टीम ने दोनों किडनी के डोनेशन को स्वीकार किया। धनेश धनानी, डॉ. मितुल शाह, डॉ. प्रशांत राव और उनकी टीम ने स्वीकार किया, जबकि किरण अस्पताल के डॉ.संकित शाह द्वारा नेत्रदान स्वीकार किया गया। सूरत के 53 वर्षीय एक व्यक्ति का किरण अस्पताल में लीवर प्रत्यारोपण हुआ है। जहां दो में से एक आंख 68 साल की महिला में ट्रांसप्लांट की गई, वहीं दूसरी आंख को किरण अस्पताल के 54 वर्षीय व्यक्ति में डॉ.संकित शाह ने ट्रांसप्लांट किया।

संपूर्ण अंगदान प्रक्रिया को अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण समिति के सदस्यों एवं जीवनदान के लिए राज्य सलाहकार समिति द्वारा किया गया। डॉ हीना फल्दू, गहन चिकित्सक डॉ. दर्शन त्रिवेदी, चिकित्सा निदेशक डॉ मेहुल पांचाल, प्रत्यारोपण समन्वयक डॉ अल्पा पटेल, सहायक प्रत्यारोपण समन्वयक संजय तंचक, किरण अस्पताल के प्रबंधक और कर्मचारी और जीवन के कार्यक्रम अधिकारी सुभाष जोधनी को दान करें।

एक ब्रेनडेड बुजुर्ग के अंगदान के बाद पांच लोगों को किडनी, लीवर और आंखें दान कर नई जिंदगी दी गई

दिगंबर जैन समाज के ब्रेनडेड पवन महावीर जैन के परिवार ने अंगदान किया, किडनी, लीवर और आंखें दान की

लोकतेज संवाददाता

सूरत। सूरत में सेवानिवृत जीवन व्यतीत कर रहे एक 65 वर्षीय ब्रेनडेड बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया गया। इसलिए परिवार ने अंगों को दान करने का फैसला किया। किडनी, लीवर और आंखें दान कर नई जिंदगी दी गई। साथ ही मानवता की सुगंध फैलाकर समाज को एक नई दिशा दिखाने का प्रयास किया गया।

पश्चिम बंगाल के जिला-बर्धमान के धूमनी बाजार के रहने वाले और वर्तमान में सूरत विधातानगर सोसाइटी, भैयानगर, पुनागम में रहने वाले पवन महावीर जैन ने गुरुवार 26 मई को नाश्ता किया था। उच्च रक्तचाप और उल्टी के कारण वह होश खो बैठा। परिजनों ने उसे तुरंत स्मीमेर अस्पताल में भर्ती कराया और प्राथमिक उपचार के बाद उसे न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर के इलाज के तहत आगे के इलाज के लिए किरण अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शुक्रवार 27 मई को न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट डॉ भौमिक ठाकोर, न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट डॉ हीना फल्दू, इंटेंसिविस्ट डॉ दर्शन त्रिवेदी, मेडिकल डायरेक्टर डॉ मेहुल पांचाल ने पवनभाई को ब्रेनडेड घोषित किया। किरण अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पंचाल ने डोनेट लाइफ को फोन कर पवनभाई के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। डोनेट लाइफ की टीम अस्पताल पहुंची और डॉ. मेहुल पंचाल के साथ रुकी। पवनभाई के बेटे दीपक ने कहा कि जब हम अक्सर अखबारों में अंगदान की खबरें पढ़ते हैं, तो हमें लगा कि यह एक दैवीय कार्य है। आज जब मेरे पिता का ब्रेन डेड हो गया है और उनकी मृत्यु निश्चित है, तो आप अंगदान के लिए जा सकते हैं यदि अंग खराब होने वाले रोगियों को उनके शरीर को जलाने के बजाय उनके अंगों को दान करके पुनर्जीवित किया जा रहा है। अंगदान के लिए परिवार की सहमति से किडनी और लीवर डोनेशन के लिए स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एसओटीटीओ) से संपर्क किया गया। एसओटीटीओ द्वारा किरण अस्पताल, सूरत को किडनी और लीवर दान किया गया।

सूरत के किरण अस्पताल के डॉ. कल्पेश गोहिल, डॉ. जिग्नेश घेवरिया, डॉ. प्रमोद पटेल, डॉ. मुकेश अहीर और उनकी टीम ने दोनों किडनी के डोनेशन को स्वीकार किया। धनेश धनानी, डॉ. मितुल शाह, डॉ. प्रशांत राव और उनकी टीम ने स्वीकार किया, जबकि किरण अस्पताल के डॉ.संकित शाह द्वारा नेत्रदान स्वीकार किया गया। सूरत के 53 वर्षीय एक व्यक्ति का किरण अस्पताल में लीवर प्रत्यारोपण हुआ है। जहां दो में से एक आंख 68 साल की महिला में ट्रांसप्लांट की गई, वहीं दूसरी आंख को किरण अस्पताल के 54 वर्षीय व्यक्ति में डॉ.संकित शाह ने ट्रांसप्लांट किया। संपूर्ण अंगदान प्रक्रिया को अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण समिति के सदस्यों एवं जीवनदान के लिए राज्य सलाहकार समिति द्वारा किया गया। डॉ हीना फल्दू, गहन चिकित्सक डॉ. दर्शन त्रिवेदी, चिकित्सा निदेशक डॉ मेहुल पांचाल, प्रत्यारोपण समन्वयक डॉ अल्पा पटेल, सहायक प्रत्यारोपण समन्वयक संजय तंचक, किरण अस्पताल के प्रबंधक और कर्मचारी और जीवन के कार्यक्रम अधिकारी सुभाष जोधनी को दान करें।

एक ब्रेनडेड बुजुर्ग के अंगदान के बाद पांच लोगों को किडनी, लीवर और आंखें दान कर नई जिंदगी दी गई

दिगंबर जैन समाज के ब्रेनडेड पवन महावीर जैन के परिवार ने अंगदान किया, किडनी, लीवर और आंखें दान की

सूरत। सूरत में सेवानिवृत्त जीवन व्यतीत कर रहे एक 65 वर्षीय ब्रेनडेड बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया गया। इसलिए परिवार ने अंगों को दान करने का फैसला किया। किडनी, लीवर और आंखें दान कर नई जिंदगी दी गई। साथ ही मानवता की सुगंध फैलाकर समाज को एक नई दिशा दिखाने का प्रयास किया गया।

पश्चिम बंगाल के जिला-बर्धमान के धूमनी बाजार के रहने वाले और वर्तमान में सूरत विधातानगर सोसाइटी, भैयानगर, पुनागम में रहने वाले पवन महावीर जैन ने गुरुवार 26 मई को नाश्ता किया था। उच्च रक्तचाप और उल्टी के कारण वह होश खो बैठा। परिजनों ने उसे तुरंत स्मीमेर अस्पताल में भर्ती कराया और प्राथमिक उपचार के बाद उसे न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर के इलाज के तहत आगे के इलाज के लिए किरण अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शुक्रवार 27 मई को न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट डॉ भौमिक ठाकोर, न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट डॉ हीना फल्दू, इंटेंसिविस्ट डॉ दर्शन त्रिवेदी, मेडिकल डायरेक्टर डॉ मेहुल पांचाल ने पवनभाई को ब्रेनडेड घोषित किया। किरण अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पंचाल ने डोनेट लाइफ को फोन कर पवनभाई के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। डोनेट लाइफ की टीम अस्पताल पहुंची और डॉ. मेहुल पंचाल के साथ रुकी।

पवनभाई के बेटे दीपक ने कहा कि जब हम अक्सर अखबारों में अंगदान की खबरें पढ़ते हैं, तो हमें लगा कि यह एक दैवीय कार्य है। आज जब मेरे पिता का ब्रेन डेड हो गया है और उनकी मृत्यु निश्चित है, तो आप अंगदान के लिए जा सकते हैं यदि अंग खराब होने वाले रोगियों को उनके शरीर को जलाने के बजाय उनके अंगों को दान करके पुनर्जीवित किया जा रहा है। अंगदान के लिए परिवार की सहमति से किडनी और लीवर डोनेशन के लिए स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एसओटीटीओ) से संपर्क किया गया। एसओटीटीओ द्वारा किरण अस्पताल, सूरत को किडनी और लीवर दान किया गया।

सूरत के किरण अस्पताल के डॉ. कल्पेश गोहिल, डॉ. जिग्नेश घेवरिया, डॉ. प्रमोद पटेल, डॉ. मुकेश अहीर और उनकी टीम ने दोनों किडनी के डोनेशन को स्वीकार किया। धनेश धनानी, डॉ. मितुल शाह, डॉ. प्रशांत राव और उनकी टीम ने स्वीकार किया, जबकि किरण अस्पताल के डॉ.संकित शाह द्वारा नेत्रदान स्वीकार किया गया। सूरत के 53 वर्षीय एक व्यक्ति का किरण अस्पताल में लीवर प्रत्यारोपण हुआ है। जहां दो में से एक आंख 68 साल की महिला में ट्रांसप्लांट की गई, वहीं दूसरी आंख को किरण अस्पताल के 54 वर्षीय व्यक्ति में डॉ.संकित शाह ने ट्रांसप्लांट किया। संपूर्ण अंगदान प्रक्रिया को अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण समिति के सदस्यों एवं जीवनदान के लिए राज्य सलाहकार समिति द्वारा किया गया। डॉ हीना फल्दू, गहन चिकित्सक डॉ. दर्शन त्रिवेदी, चिकित्सा निदेशक डॉ मेहुल पांचाल, प्रत्यारोपण समन्वयक डॉ अल्पा पटेल, सहायक प्रत्यारोपण समन्वयक संजय तंचक, किरण अस्पताल के प्रबंधक और कर्मचारी और जीवन के कार्यक्रम अधिकारी सुभाष जोधनी को दान करें।

अंगदान • ब्लड प्रेशर बढ़ने से बेहोश हो गए थे पवन जैन, डॉक्टरों ने किया ब्रेनडेड घोषित

दिगंबर जैन समाज के ब्रेनडेड पवन की किडनी, लीवर और आंखें दान कीं, पांच लोगों को मिला नया जीवन

सिटी रिपोर्टर | सूरत

दिगंबर जैन समाज के ब्रेनडेड पवन महावीर जैन के परिजनों ने उनकी किडनी, लीवर और आंखें दान कर दीं। इससे पांच लोगों को नई जिंदगी मिली। पवन की किडनी, लीवर और आंखें सूरत के किरण अस्पताल को उपलब्ध कराए गए। दान में मिली दोनों किडनियों में से एक वालिया, भरूच निवासी 22 साल के युवक और दूसरी किडनी सूरत निवासी 28 साल की महिला में ट्रांसप्लांट की गई। लीवर सूरत निवासी 53 वर्षीय व्यक्ति में किरण अस्पताल में ही ट्रांसप्लांट किए गए। दोनों आंखों में से एक 68 साल की महिला और दूसरी 54 साल के व्यक्ति में ट्रांसप्लांट की गई।

शुक्रवार को डॉक्टरों ने घोषित किया था ब्रेनडेड

65 वर्षीय पवन महावीर जैन के परिवार में उनकी पत्नी पुष्पा (65), पुत्र दीपक (40), दो बेटियां पूजा (39) और प्रीति (37) हैं। वह मूल रूप से पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के ढुमानी बाजार के रहने वाले थे। वह अपने परिवार के साथ सूरत के पूणानगर की विधाता नगर सोसाइटी में रहते थे। पवन 26 मई की सुबह नाश्ता कर रहे थे, तभी उनका ब्लड प्रेशर बढ़ने लगा। इससे उल्टी हुई और वह बेहोश हो गए। परिजन उन्हें तत्काल स्मीमेर अस्पताल ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें किरण अस्पताल ले जाया गया। वहां न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर के मार्गदर्शन में इलाज शुरू हुआ। सीटी स्कैन में ब्रेन हेमरेज का पता चला। 27 मई को डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया।

- **बेटे ने दी पिता के अंगदान की सहमति:** किरण अस्पताल ने पवन के ब्रेनडेड होने की सूचना डोनेट लाइफ संस्था को दी। उसके बाद संस्था की टीम अस्पताल पहुंची और पवन के बेटे दीपक, दामाद विकास और अन्य पारिवारिक सदस्यों को अंगदान का महत्व समझाया। बेटे विकास ने पिता के अंगदान की सहमति दे दी।

- **सूरत-दक्षिण गुजरात से अब तक 1014 अंगदान:** सूरत और दक्षिण गुजरात से डोनेट लाइफ अब तक 1014 अंग और टिशू का दान करा चुकी है। इनमें से 426 किडनी, 182 लीवर, 8 पैंक्रियाज, 40 हार्ट, 26 फेफड़ा, 4 हाथ और 325 नेत्रदान हो चुके हैं। इससे 927 लोगों को नया जीवन और नई दृष्टि मिली।

अंगदान से तीन जनों को नई जिंदगी, दो को मिली रोशनी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सूरत. पूणागाम भैयानगर क्षेत्र निवासी एक जैन परिवार के अंगदान के निर्णय से तीन लोगों को नई जिंदगी और दो जनों को नई रोशनी मिली है। मरीज को ब्रेनडेड घोषित किए जाने पर जैन परिवार ने अंगदान का निर्णय किया।

मूल पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के ढुमानी बाजार गांव निवासी और यहां पूणागाम भैयानगर की विधातानगर सोसायटी में रह रहे पवन महावीर जैन का गुरुवार सुबह अचानक ब्लड प्रेशर हाई हो गया था। उन्हें पहले स्मीमेर और फिर किरण अस्पताल में भर्ती किया गया। चिकित्सकों ने उन्हें 27 मई को उन्हें ब्रेनडेड घोषित किया। जानकारी मिलने पर डोनेट लाइफ की टीम मौके पर पहुंची और पवन जैन के पुत्र समेत परिजन और रिश्तेदारों को अंगदान का महत्व समझाया। परिवार अंगदान के लिए तैयार हो गया। इसके बाद किरण अस्पताल के डॉक्टरों ने ही दोनों किडनी, लिवर और चक्षुओं का दान स्वीकार किया।

एक भरुच के वालिया निवासी 22 वर्षीय युवक और दूसरी किडनी सूरत की 28 वर्षीय युवती में ट्रांसप्लांट की गई। लिवर का ट्रांसप्लांट सूरत निवासी 53 वर्षीय व्यक्ति में किया गया। उनके एक चक्षु का ट्रांसप्लांट 68 वर्षीय वृद्धा और दूसरे का 54 वर्षीय पुरूष में किया गया।

News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

ડોનેટ લાઇફ દ્વારા ૪૨૬ કિડની અને ૧૮૨ લીવર મળી કુલ ૧૦૧૪ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન કરાવવામાં આવ્યું

દિગંબર જૈન સમાજનાં બ્રેઇનડેડ પવન જૈને પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન બક્ષ્યું

સુરત, તા.૨૮

પશ્ચિમ બંગાળનાં બર્ધમાન જિલ્લાનાં હુમાની બજારનાં રહેવાસી અને હાલ સુરતમાં પુણા વિસ્તારની વિધાતાનગર સોસાયટી ખાતે રહેતા પવન મહાવીર જૈનને ગુરુવાર તા.૨૬ મે નાં રોજ ઉલટીઓ થતા તેઓ બેભાન થઈ ગયા હતા. પરિવારજનોએ તેમને તાત્કાલિક સ્મીમેર હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી પ્રાથમિક સારવાર મેળવ્યા બાદ વધુ સારવાર માટે તેમને કિરણ હોસ્પિટલમાં ન્યુરોસર્જન ડૉ.ભૌમિક ઠાકોરની સારવાર હેઠળ દાખલ કર્યા. નિદાન માટે સીટી સ્કેન કરાવતા બ્રેઈન હેમરેજ થયું હોવાનું નિદાન થયું હતું.

શુક્રવાર, તા.૨૭ મે ના રોજ ન્યુરોફીસર્જન ડૉ.ભૌમિક ઠાકોર, ન્યુરોફીજિશિયન ડૉ. હીના ફળદુ, ઈન્ટેન્ટસીવીસ્ટ ડૉ.દર્શન ત્રિવેદી, મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડૉ.મેહુલ પંચાલે પવનભાઈને બ્રેનડેડ જાહેર કરતા કિરણ હોસ્પિટલના મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડૉ.મેહુલ પંચાલે ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક-પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાનો ટેલીફોનિક સંપર્ક કરી પવનભાઈનાં બ્રેઈનડેડ અંગેની જાણકારી આપી.

ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી ડૉ.મેહુલ પંચાલ સાથે રહી પવનભાઈના પુત્ર દીપક, જમાઈ વિકાસ તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી.

પવનભાઈનાં પુત્ર દીપકે જણાવ્યું કે અમે વારંવાર વર્તમાનપત્રોમાં અંગદાનના સમાચારો વાંચતા હતા ત્યારે અમે વિચારતા કે આ એક ઈશ્વરીય કાર્ય છે. આજે જ્યારે મારા પિતાજી બ્રેઈનડેડ છે અને તેમનું મૃત્યુ નિશ્ચિત જ છે ત્યારે શરીર બળીને રાખ થઈ જાય તેના કરતા તેમના અંગોના દાન થકી ઓર્ગન નિષ્ફળતાના દર્દીઓને નવુ જીવન મળતું હોય તો અંગદાન કરાવવા માટે આપ આગળ વધો.

કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનાં દાન થકી પાંચ વ્યક્તિઓનાં જીવનમાં નવી આશા ફેલાવી

કિડની અને લિવર સુરતની કિરણ હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવ્યા. બંને કિડનીઓનું દાન સુરતની કિરણ હોસ્પિટલના ડૉ.કલ્પેશ ગોહિલ, ડૉ.જીગ્નેશ ધેવરીયા, ડૉ.પ્રમોદ પટેલ, ડૉ.મુકેશ આહીર અને તેમની ટીમે સ્વીકાર્યું, લિવરનું દાન ડૉ. ધનેશ ધનાણી, ડૉ.મિતુલ શાહ, ડૉ.પ્રશાંથ રાવ અને તેમની ટીમે સ્વીકાર્યું જ્યારે ચક્ષુઓનું દાન કિરણ હોસ્પીટલના ડૉ.સંકીત શાહ સ્વીકાર્યું.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બંને કિડની માંથી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ભરૂચ જિલ્લાનાં વાલિયાનાં રહેવાસી ૨૨ વર્ષીય યુવાનમાં, બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતની રહેવાસી ૨૮ વર્ષીય યુવતીમાં, લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતનાં રહેવાસી ૫૩ વર્ષીય વ્યક્તિમાં સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. જ્યારે બંને ચક્ષુઓ માંથી એક ચક્ષુનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ૬૮ વર્ષીય મહિલામાં, બીજા ચક્ષુનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ૫૪ વર્ષીય વ્યક્તિમાં કિરણ હોસ્પિટલમાં ડૉ.સંકીત શાહ દ્વારા કરવામાં આવ્યું છે.

અંગદાન કરાવવાની સમગ્ર પ્રક્રિયા સ્ટેટ એડવાઈઝરી કમિટી ફોર ઓર્ગન અને ટીસ્યુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટેશનના કમિટી મેમ્બર અને ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક-પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાના માર્ગદર્શન હેઠળ કરવામાં આવી હતી જેમાં પવનભાઈના પત્ની પુષ્પાબેન, પુત્ર દીપક, પુત્રી પૂજા અને પ્રીતિ, જમાઈ વિકાસ અને પંકજ તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યો, ન્યુરોસર્જન ડૉ.ભૌમિક ઠાકોર, ન્યુરોફીજિશિયન ડૉ. હીના ફળદુ, ઈન્ટેન્ટસીવીસ્ટ ડૉ. દર્શન ત્રિવેદી, મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડૉ.મેહુલ પંચાલ, ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોઓર્ડીનેટર ડૉ.અલ્પા પટેલ, આસીસ્ટન્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોઓર્ડીનેટર સંજય તાંચક, કિરણ હોસ્પિટલના સંચાલકો અને સ્ટાફ અને ડોનેટ લાઈફનાં પ્રોગ્રામ ઓફિસર સુભાષ જોધાણીનો સહકાર સાંપડ્યો હતો.

સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાત માંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કુલ ૧૦૧૪ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન કરાવવામાં આવ્યું છે જેમાં ૪૨૬ કિડની, ૧૮૨ લિવર, ૮ પેંક્રીઆસ, ૪૦ હૃદય, ૨૬ ફેફસાં, ૪ હાથ અને ૩૨૮ ચક્ષુઓના દાનથી કુલ ૯૨૭ વ્યક્તિઓને નવુ જીવન અને નવી દ્રષ્ટિ બક્ષવામાં સફળતા મળી છે.

ભાસ્કર વિશેષ | 26 મેના રોજ બ્લડપ્રેસર વધી જવાથી અને ઉલટીઓ થતા તેઓ બેભાન થઈ ગયા હતા

65 વર્ષના પવન જૈન જે હોસ્પિટલમાં બ્રેનડેડ થયા, ત્યાં જ 5 દર્દીઓને લિવર અને ચક્ષુ દાન કરી નવજીવન અપાયું

હેલ્થ રિપોર્ટર | સુરત

નિવૃત્ત જીવન જીવતા 65 વર્ષીય વૃદ્ધ બ્રેઈનડેડ જાહેર થતા પરિવારે વૃદ્ધના અંગોનું દાન કરવાનો નિર્ણય કર્યો હતો. કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી 5 વ્યક્તિને નવું જીવન અપાયું હતું. મૂળ ગામ હુમાની બજાર, જીલ્લો-બર્ધમાન, પશ્ચિમ બંગાળના રહેવાસી અને હાલ વિધાતાનગર સોસાયટી, ભૈયાનગર, પુણાગામ ખાતે રહેતા પવન મહાવીર જૈન 26મીએ બ્લડપ્રેસર વધી જતા ઉલટી થયા બાદ બેભાન થઈ ગયા હતા. જેથી તાત્કાલિક

પવન મહાવીર જૈન

તેમને સ્મીમેરમાં દાખલ કરાયા હતા. ત્યાર બાદ વધુ સારવાર માટે કિરણ હોસ્પિટલમાં લઈ જવાયા હતા. જ્યા બ્રેઈન હેમરેજ થયું હોવાનું નિદાન થયું હતું.

27મીએ તેમને બ્રેનડેડ જાહેર કરાયા હતા. મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડૉ.મેહુલ પંચાલે ડોનેટ લાઈફને આ બાબતે જાણ કરતા ડોનેટ લાઈફના સભ્યોએ પરિવારના સભ્યોને અંગ દાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું.

ઈશ્વરીય કાર્ય ગણી પરિવારે અંગદાનની સંમતિ આપી: પુત્ર

પવનભાઈના પુત્ર દીપકે જણાવ્યું હતું કે, અંગદાન ઈશ્વરીય કાર્ય છે. શરીર બળીને રાખ થઈ જાય તેના કરતા તેમના અંગોના દાન થકી દર્દીઓને નવુંજીવન મળી જશે એ વિચાર સાથે અંગદાન કર્યું હતું. પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની સંમતિ મળતા સ્ટેટ ઓર્ગન એન્ડ ટિસ્યુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ઓર્ગેનાઈઝેશનનો સંપર્ક કરી કિડની અને લિવર દાન માટે જણાવ્યું હતું. SOTTOએ કિડની-લિવર કિરણ હોસ્પીટલને ફાળવ્યા હતા.

કિરણ હોસ્પિટલને કરવામાં આવ્યું અંગોનું દાન

બંને કિડનીઓનું દાન સુરતની કિરણ હોસ્પીટલના ડૉ.કલ્પેશ ગોહિલ, ડૉ.જીગ્નેશ ધેવરીયા, ડૉ.પ્રમોદ પટેલ, ડૉ.મુકેશ આહીરે સ્વીકાર્યું હતું. લિવરનું દાન ડૉ. ધનેશ ધનાણી, ડૉ.મિતુલ શાહ, ડૉ.પ્રશાંથ રાવ અને તેમની ટીમે સ્વીકાર્યું હતું. જ્યારે બંને ચક્ષુઓમાંથી એક ચક્ષુનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ 68 વર્ષીય મહિલામાં, બીજા ચક્ષુનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ 54 વર્ષીય વ્યક્તિમાં કરાયું હતું.

પવનભાઈના પરિવારનો અંગદાનમાં સહયોગ મળ્યો

અંગદાનની સમગ્ર પ્રક્રિયા સ્ટેટ એડવાઈઝરી કમિટી ફોર ઓર્ગન અને ટીસ્યુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટેશનના કમિટી મેમ્બર અને ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કરાઈ હતી. જેમાં પવનભાઈના પત્ની પુષ્પાબેન, પુત્ર દીપક, પુત્રી પૂજા અને પ્રીતિ, જમાઈ વિકાસ અને પંકજ તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોએ સંમતિ આપી હતી.

News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરત અને ભરૂચના પીડિતોમાં અંગોનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

દિગંબર જૈન સમાજના બ્રેઈનડેડ જાહેર વૃદ્ધના અંગદાનથી 5 વ્યક્તિને નવજીવન

। સુરત ।

મૂળ પશ્ચિમ બંગાળના વતની પવનભાઈ મહાવીર જૈન (ઉં.વ. ૬૬) છેલ્લા બે વર્ષથી પુત્ર દીપકભાઈ સાથે પુણા ગામ, ભૈયાનગર સ્થિત વિધાતાનગર સોસાયટીમાં રહેતા હતા. ગુરુવારે સવારે પવનભાઈ ઘરમાં નાસ્તો કરી બેઠા હતા ત્યારે બ્લડપ્રેશર વધવા સાથે ઊલટીઓ થયા બાદ તેઓ બેભાન થયા હતા. જેને પગલે પરિવારજનોએ તેમને તાત્કાલિક સ્મીમેરમાં ખસેડાયા બાદ વધુ સારવાર માટે ખાનગી હોસ્પિટલમાં લઈ ગયા હતા. જ્યાં સીટીસ્કેન સહિતની તપાસ કરાવતા તેમને બ્રેઈન હેમરેજ થયાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ શુક્રવારે તબીબી ટીમે પવનભાઈને બ્રેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા. જેની જાણકારી મળતા ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલમાં જઈ બ્રેઈનડેડ પવનભાઈના પરિવારને અંગદાનનું મહત્ત્વ સમજાવતા તેઓ અંગદાન કરવા સહમત થયા હતા. ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, દાનમાં મળેલી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ભરૂચ, વાલીયાન ૨૨ વર્ષીય યુવાનમાં અને બીજી કિડનીનું

ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતની ૨૮ વર્ષીય યુવતીમાં કરાયું હતું. જ્યારે લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના ૫૩ વર્ષીય આધેડમાં કરાયું હતું. બંને ચક્ષુમાંથી એકનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ૬૮ વર્ષીય મહિલામાં અને બીજા ચક્ષુનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ૫૪ વર્ષીય આધેડમાં કરવામાં આવ્યું હતું. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાત માંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કુલ ૧૦૧૪ અંગો અને ટિસ્યૂઓનું દાન કરાવવામાં આવ્યું છે. જેમાં ૪૨૬ કિડની, ૧૮૨ લિવર, ૮ પેન્ક્રીઆસ, ૪૦ હૃદય, ૨૬ ફેફસાં, ૪ હાથ અને ૩૨૮ ચક્ષુઓના દાનથી કુલ ૯૨૭ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી દ્રષ્ટી મળી છે.

સુરતના દિગંબર જૈન સમાજના વૃદ્ધના અંગદાનથી પાંચને નવજીવન મળ્યું

સુરત, તા.૨૮

સુરતમાં નિષ્ઠુર જીવન જીવતા વૃદ્ધ બ્રેઈનડેડ જાહેર થયા હતા. જેથી પરિવારે ૬૬ વર્ષીય વૃદ્ધના શરીરના અંગોનું દાન કરવાનો નિર્ણય કર્યો હતો. કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી

પાંચને નવું જીવન અપાયું હતું, સાથે જ માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવવા પ્રયાસ કરવામાં આવ્યું હતું.

મૂળ ગામ કુમારી બજાર, જીલ્લો-બર્ધમાન, પશ્ચિમ બંગાળના રહેવાસી અને હાલ સુરતના પુણા વિસ્તારની વિધાતાનગર સોસાયટીના ભૈયાનગરમાં રહેતા પવન મહાવીર જૈન ગુરુવાર તા.૨૬ મેના રોજ સવારે નાસ્તો કરી બેઠા હતા. ત્યારે બ્લડપ્રેશર વધી જવાથી અને ઉલટીઓ થતા તેઓ બેભાન થઈ ગયા હતા. પરિવારજનોએ તેમને તાત્કાલિક સ્મીમેર હોસ્પીટલમાં દાખલ કરી પ્રાથમિક સારવાર મેળવ્યા બાદ વધુ સારવાર માટે તેમને ડિરદા હોસ્પિટલમાં ન્યુરોસર્જન ડૉ.બોમિક ઠાકોરની સારવાર હેઠળ રાખવા કર્યા. નિદાન બ્રેઈન હેમરેજ સીટી સ્કેન કરાવતા બ્રેઈન હેમરેજ થયું હોવાનું નિદાન થયું હતું.

શુક્રવાર, તા.27 મે ના રોજ ન્યુરોસર્જન ડૉ.બોમિક ઠાકોર, ન્યુરોફીજીશિયન ડૉ.હીના કગદુ, ઈન્ટેન્સીવીસ્ટ ડૉ.દર્શન ત્રિવેદી, મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડૉ.મેહુલ પંચાલે પવનભાઈને બ્રેનડેડ જાહેર કર્યા. ડિરદા હોસ્પીટલના મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડૉ.મેહુલ પંચાલે પવનભાઈના પુત્ર દીપકે જણાવ્યું કે અમે વારંવાર વર્તમાનપત્રોમાં અંગદાનના સમાચારો વાંચતા હતા ત્યારે અમે વિચારતા કે આ એક ઈશ્વરીય કાર્ય છે. આજે જ્યારે મારા પિતાજી બ્રેઈનડેડ છે અને તેમનું મૃત્યુ નિશ્ચિત જ છે ત્યારે શરીર બળીને રાખ થઈ જાય તેના કરતા તેમના અંગોના દાન થકી ઓર્ગન નિષ્ણાતોના

મૂળ પશ્ચિમ બંગાળના ૬૫ વર્ષના પવન મહાવીર જૈનનું બ્લડપ્રેશર વધી જવાથી ઉલટીઓ થતાં બેભાન થઈ ગયા હતા: બ્રેઈનડેડ જાહેર થતાં પરિવારે કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કર્યું

ડોનેટ લાઈફનો ટેલીફોનીક સંપર્ક કરી પવનભાઈના બ્રેઈનડેડ અંગેની જાણકારી આપી. ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી ડૉ.મેહુલ પંચાલ સાથે રહી પવનભાઈના પુત્ર દીપક, જમાઈ વિકાસ તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમજ પ્રક્રિયા સમજાવી હતી.

પવનભાઈના પુત્ર દીપકે જણાવ્યું કે અમે વારંવાર વર્તમાનપત્રોમાં અંગદાનના સમાચારો વાંચતા હતા ત્યારે અમે વિચારતા કે આ એક ઈશ્વરીય કાર્ય છે. આજે જ્યારે મારા પિતાજી બ્રેઈનડેડ છે અને તેમનું મૃત્યુ નિશ્ચિત જ છે ત્યારે શરીર બળીને રાખ થઈ જાય તેના કરતા તેમના અંગોના દાન થકી ઓર્ગન નિષ્ણાતોના ચક્ષુઓનું દાન ડિરદા હોસ્પીટલના ડૉ.સંકેત શાહે સ્વીકાર્યું.દાનમાં મળેલી બંને કિડની માંથી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ વાલીયા, ભરૂચના રહેવાસી ૨૨ વર્ષીય યુવાનમાં, બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતની રહેવાસી 28 વર્ષીય યુવતીમાં, અને લિવર સુરતની ડિરદા હોસ્પીટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. જ્યારે બંને ચક્ષુઓમાંથી એક ચક્ષુનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ૬૪ વર્ષીય મહિલામાં, બીજા ચક્ષુનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ૬૨ વર્ષીય વ્યક્તિના ડિરદા હોસ્પિટલમાં ડૉ.સંકીત શાહ દ્વારા કરવામાં આવ્યું છે.

અંગદાન કરાવવાની સમગ્ર પ્રક્રિયા સ્ટેટ એડવાઈઝરી કમિટી ફોર ઓર્ગન અને ટીસ્યુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટેશનના કમિટી મેમ્બર અને ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કરવામાં આવી હતી જેમાં પવનભાઈના પત્ની પુષ્પાબેન, પુત્ર દીપક, પુત્રી પુજા અને પ્રીતિ, જમાઈ વિકાસ અને પૌત્ર તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યો, ન્યુરોસર્જન ડૉ. બોમિક ઠાકોર, ન્યુરોફીજીશિયન ડૉ.હીના કગદુ, ઈન્ટેન્સીવીસ્ટ ડૉ. દર્શન ત્રિવેદી, મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડૉ.મેહુલ પંચાલ, ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોઓર્ડિનેટર ડૉ.સેજલ પટેલ, આસીસ્ટન્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોઓર્ડિનેટર સંજય તાલક, ડિરદા હોસ્પીટલના સંચાલકો અને સ્ટાફ અને ડોનેટ લાઈફના પ્રોગ્રામ ઓફિસર સુભાષ જોષીલોનો સહકાર સાંપડયો હતો.

સુરતના દિગંબર જૈન...

લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના રહેવાસી ૬૩ વર્ષીય વ્યક્તિમાં સુરતની ડિરદા હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. જ્યારે બંને ચક્ષુઓમાંથી એક ચક્ષુનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ૬૪ વર્ષીય મહિલામાં, બીજા ચક્ષુનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ૬૨ વર્ષીય વ્યક્તિના ડિરદા હોસ્પિટલમાં ડૉ.સંકીત શાહ દ્વારા કરવામાં આવ્યું છે.

અંગદાન કરાવવાની સમગ્ર પ્રક્રિયા સ્ટેટ એડવાઈઝરી કમિટી ફોર ઓર્ગન અને ટીસ્યુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટેશનના કમિટી મેમ્બર અને ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કરવામાં આવી હતી જેમાં પવનભાઈના પત્ની પુષ્પાબેન, પુત્ર દીપક, પુત્રી પુજા અને પ્રીતિ, જમાઈ વિકાસ અને પૌત્ર તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યો, ન્યુરોસર્જન ડૉ. બોમિક ઠાકોર, ન્યુરોફીજીશિયન ડૉ.હીના કગદુ, ઈન્ટેન્સીવીસ્ટ ડૉ. દર્શન ત્રિવેદી, મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડૉ.મેહુલ પંચાલ, ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોઓર્ડિનેટર ડૉ.સેજલ પટેલ, આસીસ્ટન્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોઓર્ડિનેટર સંજય તાલક, ડિરદા હોસ્પીટલના સંચાલકો અને સ્ટાફ અને ડોનેટ લાઈફના પ્રોગ્રામ ઓફિસર સુભાષ જોષીલોનો સહકાર સાંપડયો હતો.

• અનુસંધાન પાના ૫ ઉપર

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

DATE: JANUARY, 2006 TO 28TH MAY, 2022

426
KIDNEY

182
LIVER

40
HEART

26
LUNGS

08
PANCREAS

328
CORNEA

04
HANDS

TOTAL **1014** ORGANS & TISSUES DONATED,
WHICH HAS GIVEN NEW LIFE & VISION TO **927** PERSONS
ACROSS COUNTRY & GLOBE.

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."